

जैसा कोई व्यक्ति अपने दिल से विचार करता उसका व्यक्तित्व उसी प्रकार ढल जाता है !

सुप्रभात आज मैं कक्षा १२-अ का छात्र देवांश वर्मा आपके सामने अपने विचार प्रस्तुत करने जा रहा हूँ और मेरा विषय है कि जैसा कोई व्यक्ति अपने दिल से विचार करता उसका व्यक्तित्व उसी प्रकार ढल जाता है !

अपने वास्तविक व्यक्तित्व का ज्ञान आदर्श व्यक्तित्व के निर्माण की प्रथम आवश्यकता है यह उसी तरह महत्वपूर्ण है जिस तरह जवाब तलाशने के लिए सवाल को गहराई से समझना ! जब हम अपने व्यक्तित्व का सही ज्ञान होगा , तभी हम आपने को निखार पाएंगे ! स्वामी नित्यानंद जी ने कहा है व्यक्ति को आपने भीतर की बातों का ज्ञान अवश्य ही होना चाहिए ! मशहूर अमेरिका अभिनेत्री व निर्देशक माइकल डोलन हमें अपने भीतर की बातों से अगवत होने का बहुत अच्छा तरीका बताते हैं वह कहते हैं कि अगर हमें अपने आप को जानना है तो अपने जीवन में खो जाना होगा हम अपने जीवन में खो जाना होगा हम क्या काम करते हैं कैसा बर्ताव करते हैं हमारी अच्छाइयाँ बुराइयाँ हमारे व्यक्तित्व को तय करती हैं इन सब को पहचानने के बाद हम आपने व्यक्तित्व को बेहतर बना सकते हैं और विकास कर सकते हैं मगर यदि बदलाव हो तो अच्छा तो तभी विकास होगा ऐसा काँड़ नहीं जिसमें खामियाँ न हो पर यदि खामियाँ हैं तो खासियत भी परस्पर रूप से होगी ! जो लोग अपनी खामियाँ को दूर कर गुणा को बढ़ा लेते हैं वे आदर्श व्यक्ति बन जाते हैं आदर्श व्यक्तित्व , वास्तविक व्यक्तित्व को ही संशोधित रूप आपने वास्तविक व्यक्तित्व को समझे और उसे संशोधि कर आदर्श व्यक्तित्व का निर्माण करें !